ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-03-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-03-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-03-17	2021-03-18	2021-03-19	2021-03-20	2021-03-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	24.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	25	30	35	35
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	45	45	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	310	80	80	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	2	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा व हवा के 6 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 23.0 से 24.0 व 8.0 से 9.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा|

सामान्य सलाहकार:

कोविड-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई तथा अन्य कृषि कार्यो के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशो जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अन्तराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें|

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	माह के द्वितीय पखवाड़े में चेतकी धान (असिंचित) की बुवाई करें।
सरसों	सरसो की परिपक्क फसलो की कटाई करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर की फसल मे रोपाई करने से पूर्व जड़ो को एमिडाक्लोरपिड 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर 10-15 मिनट तक डुबाने के बाद रोपाई करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	घाटी क्षेत्रों में टमाटर, शिमलामिर्च तथा बैंगन की तैयार पौध का रोपण 60 से 60 से0मी0 दूरी पर इस माह के द्वितीय पखवाड़े में करें।
बैंगन	सीमित सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए बैंगन एवं मिर्च बीजों की बुवाई पौधशाला में करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।